नामांक Roll No.

No. of Questions — 25

SS—21–2—Hindi Sah. II

No. of Printed Pages — 7

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2010

वैकल्पिक वर्ग I (OPTIONAL GROUP I — HUMANITIES)

हिन्दी साहित्य — द्वितीय पत्र

(HINDI SAHITYA — Second Paper)

समय : 3 $\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 60

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्नपत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं । प्रश्न संख्या **23**, **24** एवं **25** में आन्तरिक विकल्प हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिस प्रश्न के एक से अधिक समान अंकवाले भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।
5. प्रश्न क्रमांक **1** के चार भाग (i, ii, iii तथा iv) हैं । प्रत्येक भाग के उत्तर के चार विकल्प (**अ, ब, स** एवं **द**) हैं । सही विकल्प का उत्तराक्षर उत्तर-पुस्तिका में निम्नानुसार तालिका बनाकर लिखें :

प्रश्न क्रमांक	सही उत्तर का क्रमाक्षर
1. (i)	
1. (ii)	
1. (iii)	
1. (iv)	

1. (i) ''वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'' वाक्य की परिभाषा दी है

(अ) आचार्य जगन्नाथ (ब) आचार्य विश्वनाथ

(स) आचार्य भामह (द) आचार्य मम्मट । $\frac{1}{2}$

(ii) महाकाव्य नहीं है

(अ) रामचरितमानस (ब) साकेत

(स) विनयपत्रिका (द) कामायनी । $\frac{1}{2}$

(iii) हाहाकार हुआ क्रन्दनमय, कठिन वज्र होते थे चूर,

हुए दिगन्त बधिर भीषण रव बार-बार होता था क्रूर ।

उपर्युक्त पंक्तियों में निहित रस है

(अ) श्रृंगार (ब) करुण

(स) भयानक (द) हास्य । $\frac{1}{2}$

(iv) महाकाव्य की प्रमुख विशेषता मानी जाती है

(अ) छोटा कथानक (ब) विस्तृत कथानक

(स) सर्गों की न्यूनता (द) गद्य-पद्यात्मक शैली । $\frac{1}{2}$

निर्देश : प्रश्न संख्या **2** से **5** तक के लिए उत्तर-सीमा **15** से **20** शब्द है ।

2. काव्य के भेदों के नाम लिखिए । 1

3. काव्य में भावपक्ष के तत्त्व कौन-कौन से हैं ? 1

4. उद्दीपन विभाव किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए । 1

5. रस-निष्पत्ति के चार वादों के प्रवर्त्तकों के नाम लिखिए । 1

निर्देश : प्रश्न संख्या **6** से **16** तक के लिए उत्तर-सीमा **50** शब्द है ।

6. नहिं परागु नहिं मधुर मधु , नहिं विकास इहि काल

अलि कली ही सों बंध्यों, आगे कौन हवाल ॥

उपर्युक्त पंक्तियों में निहित अलंकार का नामोल्लेख करते हुए लक्षण लिखिए । 2

7. करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान

रसरी आवत-जात से, सिल पर परत निसान ॥

उपर्युक्त पंक्तियों में निहित अलंकार का नाम एवं लक्षण लिखिए । 2

8. अलंकार का अर्थ बताते हुए उसके भेदों के नाम लिखिए । 2

9. लख कर मुख सूखा सूखता है कलेजा

उर विचलित होता है विलोके दु:खों को ।

सिर पर सुत के जो आपदा नाथ आई,

यह अवनि फटेगी, औ समा जाऊँगी मैं ॥

उपर्युक्त पंक्तियों में वर्णों की गणना कर बताइए कि यह कौन-सा छंद है । 2

10. वसन्ततिलका छंद के लक्षण स्पष्ट करते हुए उदाहरण दीजिए । 2

11. हो समय कैसा ही कठिन, दृढ़ चित्त होकर मत डरो

पड़ जायँ लाखों विघ्न पर, कर्त्तव्य तुम अपना करो

कहते न तुम घर-घर फिरो, बाधा हरो, बाधा हरो

निज बाहु-बल से नाव लेकर, दु:ख का सागर तरो ॥

उपर्युक्त छंद का नामोल्लेख करते हुए उसके लक्षण बताइए । 2

12. 'करुण रस' का स्थायी भाव बताते हुए उदाहरण लिखिए । 2

13. 'आली, म्हाने लागे वृन्दावन नीको' उक्त पंक्ति के आधार पर बताइए कि मीरा को वृन्दावन अच्छा क्यों लगता है ? 2

14. 'एक बिना सब लागत खंखी' कवि सुन्दरदास की उक्त पंक्ति का मूल भाव समझाइए । 2

15. 'बन ज्योतिर्मय दीप जलो रे' कविता में बद्रीप्रसाद पंचोली भारतवासियों को क्या सन्देश देना चाहते हैं ? 2

16. 'सौगंध-उठाएँ' कविता में कवि ने कब-कब सौगन्ध उठाने की बात कही है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । 2

निर्देश : प्रश्न संख्या **17** से **22** तक के लिए उत्तर-सीमा **80** से **100** शब्द है ।

17. 'दिनकर' की काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए । 3

18. सुमित्रानन्दन पंत को प्रकृति का सुकुमार कवि क्यों कहा गया है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । 3

19. 'पूँजीवादी शोषण का संकट आज गहराता जा रहा है ।' 'एक बोध' कविता के आधार पर सविस्तार लिखिए । 3

20. भवानीप्रसाद मिश्र की 'लुहार से' कविता में कौन-से मनोभाव प्रकट होते हैं ? स्पष्ट कीजिए । 3

21. यदि 'श्रद्धा' के स्थान पर आप होते तो 'मनु' के प्रति आपके मन में क्या भाव उत्पन्न होते, कल्पना के आधार पर उत्तर दीजिए । 3

22. मैथिलीशरण गुप्त के संकलित काव्यांश में भावतत्त्व एवं कलात्मक सौन्दर्य का विश्लेषण कीजिए । 3

23. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

(उत्तर सीमा लगभग **200** शब्द)

इस धारा-सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्‌गम,

शाश्वत है गति, शाश्वत संगम ।

शाश्वत नभ का नीला विकास, शाश्वत शशि का यह रजत हास,

शाश्वत लघु लहरों का विलास ।

हे जग-जीवन के कर्णधार ! चिर जन्म-मरण के आर-पार,

शाश्वत जीवन नौका-विहार ।''

अथवा

कौन उसको धीरज दे सके ?

दु:ख का भार कौन ले सके ?

यह दु:ख जिसका नहीं कुछ छोर है,

दैव अत्याचार कैसा घोर और कठोर है ।

क्या कभी पोंछे किसी के अश्रु जल ?

या किया करते रहे सबको विकल ?

ओस-कण-सा पल्लवों से झर गया

जो अश्रु, भारत का उसी से सर गया ।

24. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

(उत्तर सीमा लगभग **200** शब्द)

तिमिर के राज का ऐसा,

कठिन आतंक छाया है,

उठा जो शीश सकते थे,

उन्होंने सिर झुकाया है,

मगर विद्रोह की ज्वाला

जगाए कौन बैठा है ?

अथवा

रण-भेरी सुन, कह 'विदा' 'विदा' जब सैनिक पुलक रहे होंगे,
हाथों में कुंकुम-थाल लिये, कुछ जल-कण ढुलक रहे होंगे
कर्त्तव्य-प्रेम की उलझन में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं ।

25. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

(उत्तर सीमा लगभग **200** शब्द)

मैंने राम रतन धन पायो
बसत अमोलक, दी मेरे सतगुरु, करि किरपा अपणायो
जनम-जनम की पूंजी पायी, जग में सबै खोवायो
खरचै नहिं चोर न लेवै, दिन-दिन वधत सवायो
सत की नाव खेवटिया सतगुरु, भव सागर तरि आयो
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, हरखि-हरखि जस गायो ॥

अथवा

गेह तज्यो अरु नेह तज्यो, पुनि खेह लगाइ के देह सँवारी
मेघ सहे सिर सीत सह्यौ तन, धूप समै जु पँचागिनि बारी
भूख सही रहि रुख तरै परि, 'सुन्दरदास' सहे दुख भारी
डासन छाड़ि के कासन ऊपर आसन मार्‌यो पै आसन मारी ॥